बुधवार
24 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 151
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दादा-दादी और पोते की दर्दनाक मौत

●ट्रैक्टर-ट्रॉली ने छीनी तीन जिंदगियां

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। श्यामपुर फ्लाईओवर पर बीती देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक पांच वर्षीय मासूम भी शामिल है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय वीर सिंह अपनी पत्नी मंजू और पांच वर्षीय नाती शिवा के साथ बाइक से हरिद्वार से श्यामपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान श्यामपुर फ्लाईओवर पर अंधेरे में खड़ी ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही श्यामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद वीर सिंह, मंजू और मासूम शिवा को मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फ्लाईओवर पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी, जिससे अंधेरे के कारण बाइक सवार उसे समय रहते देख नहीं पाए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

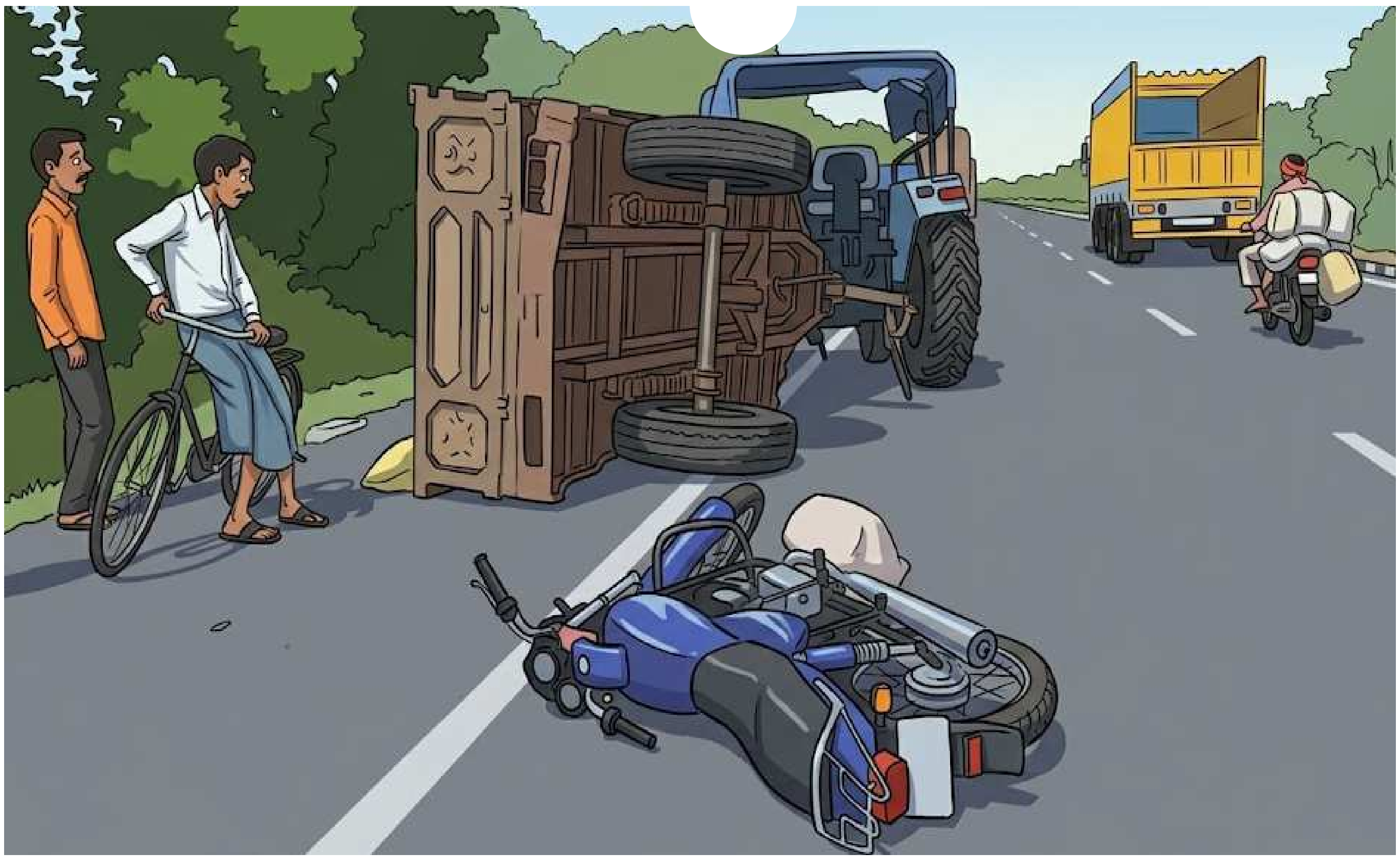

सरेराह गोलियों की गूंज: पुरानी रंजिश के चलते युवक पर फायरिंग

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। रूद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। गावा चौक के पास कार सवार युवक पर दो राउंड फायरिंग की गई। हमले में युवक बाल-बाल बच गया, जबकि गोलियां कार के शीशों को चीरती हुई निकल गई और वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

पीड़ित एशप्रीत सिंह निवासी ग्राम दिबदिबा, थाना बिलासपुर (रामपुर, यूपी) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार रात वह अपने दोस्तों गुरदीप सिंह और अर्जुन सिंह के साथ रुद्रपुर आया था। इसी दौरान गावा चौक के पास पहले से मौजूद जितेंद्र चौधरी उर्फ विरथ चौधरी ने उसे रोक लिया।

आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने जान से मारने की नीयत से उस पर दो बार फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित ने कार तेज रफ्तार से आगे बढ़ाकर किसी तरह अपनी जान बचाई। दोनों गोलियां कार के शीशों पर जा लगीं।

घटना के बाद पीड़ित ने कार कोतवाली परिसर में खड़ी कर दी, जहां वाहन पर गोली लगने के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाल एसएस अनिल जोशी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपी की पहचान कर ली गई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही फॉरेंसिक टीम से भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्ता पर भारी पड़ता युवा आक्रोश

देश के पढ़े लिखे युवा बेरोजगार सड़कों पर है। पेपर लीक और सरकार की कार्य प्रणाली तथा सिस्टम की नाकामियों को अपनी बर्बादी का जिम्मेदार मानने वाले यह युवा भले ही अत्यंत आक्रोशित हैं लेकिन वह शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में रहकर ही अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। एक तरफ कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके अपने ऊपर हुई थप्पड़ों की बरसात के बीच केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए 5 दिन के अल्टीमेट की समय सीमा निकल जाने के बाद भी धैर्य और संयम के साथ पांचवें दिन भी अपने विरोध प्रदर्शन को जारी रखे हुए हैं तथा पुलिस प्रशासन से भी सहयोग की अपेक्षा कर रहे हैं साथ ही वह अनिश्चितकाल तक मैदान में डटे रहने की घोषणा भी कर चुके हैं। जो अब सत्ता में बैठे लोगों को नाकाबिले बर्दाश्त हो चुका है। उन पर पुलिस प्रशासन सत्ता के इशारे पर जंतर मंतर से हटाने के लिए दबाव बना रहा है लेकिन वह भी आर पार की लकीर खींच चुके हैं। शासन प्रशासन के लिए चुनौती बना यह युवा आक्रोश अब सत्ता के लिए चुनौती बन चुका है। मगर उसे यह भी डर है कि अगर इन युवाओं के खिलाफ बल प्रयोग हुआ तो उसके परिणाम श्रीलंका और नेपाल जैसे जेन जे आंदोलन का रूप लेने में समय नहीं लगेगा। दिपके तो अब सभी युवाओं और उनके अभिभावकों को सहयोग के लिए आगे आने की अपील कर ही रहे हैं साथ ही वह किसानों और नेता विपक्ष राहुल गांधी से भी युवाओं के समर्थन में आगे आने की अपील कर रहे हैं। युवाओं के इस आंदोलन को अराजक बनाने की कोशिशे भी पर्दे के पीछे से चल रही है और सरकार तथा प्रशासन मौके की तलाश में बैठा है कि वह इस आंदोलन का अंत कराये। युवाओं के इस आक्रोश के साथ किसी भी तरह का खेला हुआ तो वह आग से खेलना ही होगा। इन युवाओं का दर्द व पीड़ा को अगर ठीक से समझा जाए तो अब पेपर लीक के कारण दर्जन भर से अधिक युवाओं की आत्महत्याओं और मानसिक तनाव से समझा जा सकता है जो वह सालों से पेपर लीक के कारण झेल रहे हैं। राहुल गांधी ने अभी कोटा में छात्रों के साथ जो संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया था उसमें उमड़ी युवाओं की भीड़ और राहुल गांधी का इस समस्या की जड़ के बारे में बेबाकी से रखी गई अपनी बात से छात्रों को लगा था कि सिर्फ राहुल गांधी ही उनकी समस्या का समाधान कर सकते है। युवा वह चाहे राहुल गांधी के साथ खड़े दिख रहे हो या जंतर मंतर पर अभिजीत दिपके के साथ। इन सभी की समस्याएं अलग-अलग नहीं है। सत्ता में बैठे लोगों के लिए यह युवा आक्रोश इसलिए बेकली का कारण बना हुआ है कि यही युवा अब तक सरकार की सबसे बड़ी ताकत बनकर उसके साथ रहा है उनकी नाराजगी का मतलब भी साफ है अगर सरकार के हाथ से यह युवा वोटर छिटक जाता है तो भाजपा का पत्ता साफ समझो। यही कारण है कि सत्ता इनके साथ वैसा करने में हिचक रही है जैसा वह किसान आंदोलनकारी व अन्य आंदोलनकारियों के साथ करती आई है। हालात कब करवट बदल लेते हैं इसका कुछ भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। हो सकता है भाजपा में अब इस्तीफे नहीं होते हैं कहने वाली पार्टी धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा कराकर कॉकरोचों को कभी भी घर भेज सकती है। क्योंकि उनकी मांग सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक ही सीमित है। या फिर पुलिस फोर्स का प्रयोग कर उनके मनोबल को भी चकनाचूर कर सकती है। लेकिन इस खेल में अब सरकार की स्थिति आगे कुआं पीछे खाई वाली ही है। इसका बड़ा नुकसान हर हाल में सरकार को ही होना तय है। क्योंकि उसके पास इसका कोई उचित समाधान ही नहीं है।

एमडीडीए के मास्टर प्लान का हिन्दी में हो अनुवादः संयुक्त नागरिक संगठन

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर एमडीडीए के मास्टर प्लान का हिन्दी में अनुवाद का अनुरोध किया।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से सचिव आवास,एम डीडीए, जिलाधिकारी को गए पत्र लिखते हुए कहा कि एमडीडीए के मास्टर प्लान 2041 का हिंदी में अनुवाद करा कर इसके मुख्य विवरण प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रकाशित कर दून वासियों से सुझाव लिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान 2041 विदेशी भाषा अंग्रेजी में प्रिंट किया गया है और समाचार पत्रों में इस संबंध में जनसुनवाई हेतु समाचार भी प्रकाशित कराए गए हैं। यह दुखद स्थिति है कि 200 वर्षों तक देश को गुलाम बनाने वाले ब्रिटिश राज की अंग्रेजी भाषा को आजादी के बाद भी प्रोत्साहन दिया जाय। देश की राजभाषा हिंदी है और अधिकांश दूनवासी मातृभाषा हिंदी में सुझाव देकर गौरान्वित होंगे। संगठन सचिव सुशील त्यागी का कहना है की हमने विगत वर्ष भी प्राधिकरण अधिकारियों से मास्टर प्लान 2041 को हिंदी में प्रकाशित करने का अनुरोध किया था। मास्टर प्लान को तत्काल हिंदी भाषा में प्रकाशित कराने और इसको विज्ञापनों के माध्यम से समाचार पत्रों आदि में प्रकाशित कराने के औचित्य पर स्पष्ट करते हुए बताया गया कि आम नागरिक प्राधिकरण की योजनाओं को पढ़कर भावी जनसुनवाई में अपने सुझाव हिंदी में सार्थक ढंग से तभी रख सकेंगे जब इनकी ही भाषा में इनको योजनाओं का पूरा ब्यौरा दिया जाएगा।

उत्तराखंड में 'बिसात' पर सजे 'मोहरे'

- ❑भाजपा की हैट्रिक की जिद और कांग्रेस कर रहा वापसी की जंग
- ❑देहरादून से सीमांत क्षेत्रों तक सूबे में छिड़ गया सत्ता का महाभारत
- ❑क्षेत्रीय दल और बागी भी बदल सकते हैं कई विस सीटों का गणित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति इस समय शतरंज की बिसात जैसी दिखाई दे रही है। मोहरे सज चुके हैं, रणनीतियां बन रही हैं और राजनीतिक हमले भी तेज होने लगे हैं। चुनाव की तारीख भले घोषित न हुई हो, लेकिन सत्ता की लड़ाई का बिगुल बज चुका है। आने वाले महीनों में दल-बदल, नए गठबंधन, टिकट की खींचतान और बड़े राजनीतिक दांव उत्तराखंड की सियासत को और अधिक गर्माने वाले हैं।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव का राजनीतिक दलों ने चुनावी शंखनाद लगभग कर दिया है। राजधानी देहरादून से लेकर सीमांत जिलों तक राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतर चुकी है, जबकि कांग्रेस पिछले एक दशक से सत्ता से बाहर रहने के बाद वापसी का रास्ता तलाश रही है। दूसरी ओर उत्तराखंड क्रांति दल, बसपा, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय चेहरे भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटे हैं।

प्रदेश की राजनीति में इस समय सबसे बड़ी लड़ाई केवल सरकार बनाने की नहीं, बल्कि जनमत को अपने पक्ष में मोड़ने की है। भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे, निवेश, समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जैसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रही है।

वहीं कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, शिक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और स्थानीय मुद्दों को चुनावी हथियार बना रही है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल संगठन को फिर से खड़ा करने की कोशिश में जुटे हैं और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती सत्ता विरोधी लहर (एंटी इनकंबेंसी) को नियंत्रित करना है। लगातार दो कार्यकाल सरकार चलाने के बाद जनता की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। कई विधायकों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर नाराजगी की चर्चाएं हैं। पार्टी इसलिए संगठन और सरकार दोनों के प्रदर्शन को चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है।

भाजपा यह भी जानती है कि उत्तराखंड की राजनीति में हर चुनाव में मतदाता सत्ता बदलने का इतिहास रखते आए हैं। हालांकि 2022 में भाजपा ने इस परंपरा को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। अब पार्टी तीसरी बार सत्ता में लौटने का नया इतिहास लिखना चाहती है। कांग्रेस को उम्मीद है कि महंगाई, बेरोजगारी, युवाओं की नाराजगी और स्थानीय समस्याएं उसके लिए राजनीतिक अवसर बन सकती हैं। लेकिन कांग्रेस के सामने भी चुनौती कम नहीं है। संगठनात्मक मजबूती, गुटबाजी पर नियंत्रण और मजबूत स्थानीय नेतृत्व उसके लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी। यदि कांग्रेस इन चुनौतियों से पार पा लेती है तो मुकाबला सीधा और कांटे का हो सकता है।

उत्तराखंड में चुनाव भले भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला होता हो, लेकिन कई सीटों पर क्षेत्रीय दल और निर्दलीय उम्मीदवार जीत-हार का अंतर तय करते रहे हैं। उत्तराखंड क्रांति दल राज्य आंदोलन की विरासत को फिर से राजनीतिक ताकत में बदलने की कोशिश कर रहा है। यदि पार्टी सीमित सीटों पर भी प्रभावी प्रदर्शन करती है तो कई सीटों का समीकरण बदल सकता है। 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 47 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं। बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद विधानसभा में भाजपा के पास 47 और कांग्रेस के पास 20 सदस्य हैं। विधानसभा में बहुमत के लिए 36 सीटों की आवश्यकता होती है।

इस बार सोशल मीडिया, डिजिटल प्रचार, व्हाट्सऐप नेटवर्क, बूथ प्रबंधन और माइक्रो कैडर पर विशेष जोर रहेगा। दोनों दल युवा मतदाताओं और पहली बार मतदान करने वालों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग अभियान तैयार कर रहे हैं। उम्मीदवारों के चयन में जीतने की क्षमता और स्थानीय स्वीकार्यता पहले से अधिक महत्वपूर्ण होगी।

पहाड़ के अंतिम छोर तक पहुंचा प्रशासन

❑मुस्याखांद चौपाल में जनसमस्याओं के समाधन को दिए निर्देश

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पहाड़ के दुर्गम और सुदूरवर्ती क्षेत्र मुस्याखांद में आज आयोजित जन चौपाल प्रशासन और जनता के बीच सीधे संवाद का प्रभावी मंच बनी।

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के क्षेत्र में पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह और नई उम्मीद का माहौल दिखाई दिया। राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुस्याखांद में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्याओं, विकास संबंधी आवश्यकताओं एवं जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को खुलकर रखा, जिस पर जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देते हुए कई महत्वपूर्ण मांगों पर सकारात्मक पहल सुनिश्चित की।

चौपाल में ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में स्टेडियम की मांग रखी गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल बीडीओ तथा युवा कल्याण अधिकारी को समन्वय कर स्टेडियम के लिए आगणन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। चौपाल में क्षेत्रीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के लिए धुमाकोट-पीपली मोटर मार्ग को जिला योजना में शामिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा मार्ग से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने खाल्यूंडांडा-ढंगलगांव मोटर मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने तथा खाल्यूंडांडा से तोल्यूंडांडा तक सड़क सुधार संबंधी प्रस्तावों पर शीघ्र स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

वहीं खाल्यूंडांडा क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग को तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा अगले ही दिन पिंजरा लगाने के निर्देश दिए गए।

पेयजल आपूर्ति की शिकायत पर जिलाधिकारी ने पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ढंगलगांव में जिला योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन पेयजल टैंक को 10 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुखरो क्षेत्र तथा थेवाड़ा-चेवाड़ा पंपिंग योजना से जुड़े गांवों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति का स्थलीय परीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

इस दौरान जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत टंडोली पंपिंग योजना पर कार्य प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। चौपाल में प्राप्त प्रस्तावों पर कार्रवाई करते हुए थेवाड़ा में घेरबाड़ निर्माण को जिला योजना में शामिल करने तथा दण्डधार ग्रामसभा में अमृत सरोवर एवं घेरबाड़ निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

चौपाल में एएनएम केंद्र के बंद रहने की शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी ने मुस्याखांद स्थित एएनएम केंद्र का निरीक्षण किया तथा केंद्र के नियमित संचालन, दवाओं की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही चौपाल में धुमाकोट स्वास्थ्य उपकेंद्र में आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए भी निरीक्षण उपरांत आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही गई।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान विमला देवी, डीडीओ मनविंदर कौर, डीएसटीओ राम सलोने, उपजिलाधिकारी श्रेष्ठ गुनसोला, खंड विकास अधिकारी प्रमोद चंद्र पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियां तेज, 10 जुलाई तक व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

पौड़ी(आरएनएस)। कांवड़ यात्रा के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों को 1० जुलाई तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए।बैठक में नीलकंठ क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों और आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी निर्माण व मरम्मत कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जाएं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर पंचायत स्वर्गाश्रम-जौंक को सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था के लिए 5.5० लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उपजिलाधिकारी को यात्रा मार्गों पर आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने को निदेश भी दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने नीलकंठ क्षेत्र में लीगेसी वेस्ट का निस्तारण 15 जुलाई तक पूरा करने, पुंडरासू पंपिंग योजना से नियमित पेयजल आपूर्ति बनाए रखने व स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत को पर्याप्त सफाई कर्मी व सुपरवाइजर तैनात करने और अधिक संख्या में कूड़ेदान स्थापित करने को कहा गया।बैठक में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर और बैकअप व्यवस्था करने, संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने व सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

विधायक से मिले हनोल मास्टर प्लान से प्रभावित परिवार

विकासनगर(आरएनएस)। महासू देवता मास्टर प्लान हनोल से प्रभावित परिवारों ने क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह से मुलाकात कर अपनी मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। महासू मन्दिर हनोल दर्शन करने पहुंचे विधायक से हनोल के ग्रामीणों ने मुलाकात की। उत्तराखंड सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट महासू देवता मास्टर प्लान 12० करोड़ की लागत से बने रहे प्रोजेक्ट में गांव के 21 परिवार प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें विस्थापित किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों ने विधायक से शिकायत करते हुए कहा कि प्रशासन, पर्यटन विभाग प्रभावित परिवारों को बिजली, पानी, सड़क, रास्ते, जमीन समतलीकरण कार्य करने में कोई सहयोग सहायता नहीं कर रहे हैं।

जबकि सरकार ने सहायता राशि देते समय हर जरूरत की मदद का आश्वासन दिया था। विधायक प्रीतम सिंह ने पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल से दूरभाष पर वार्ता कर प्रभावित परिवारों को तत्काल आवश्यक सहायता के निर्देश दिए। इस अवसर पर पूर्व प्रधान हरीश राजगूरू, पूर्व उप प्रधान जय किशन, रोशनलाल, राजेश नवीन, नत्थी प्रसाद, नाग चंद, सुशीला, विनीता, आशा, रमेश, विजय पाल, विनोद, चमन, महेन्द्र आदि मौजूद रहे।

बढ़ती गर्मी से उल्टी, दस्त व बुखार के मामले बढ़े

पौड़ी(आरएनएस)। लगातार बढ़ती गर्मी के चलते इन दिनों जिला अस्पताल में विभिन्न मौसमी बीमारियों से मरीजों की संख्या बढ़ गई है। चिकित्सकों के मुताबिक हर आयु वर्ग के लोग बीमार पड़ रहे हैं जबकि बच्चे जलजनित बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अस्पताल खुलते ही बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी में पर्चा बनने के लिए लाइन में लगे रहे। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक ओपीडी 35० से अधिक रही। वहीं, मौसम का प्रतिकूल प्रभाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. निशा उपाध्याय ने बताया कि उनकी ओपीडी में करीब 7० मरीज रहे जिनमें अधिकांश बच्चे बुखार, जुकाम, उल्टी व दस्त से पीड़ित थे। वहीं, महीने में दो से तीन बच्चों में टायफाइड व पीलिया के साथ ही 1० से 12 बच्चों में चिकनपॉक्स की शिकायत रही। जो कि दूषित पानी पीने और स्वच्छता के अभाव के कारण होती हैं। तीमारदार सुजाता, किरन आदि ने बताया कि बच्चों को आजकल पेटदर्द और बुखार की शिकायत है। जबकि फिजिशियन की ओपीडी में मरीजों की संख्या करीब 13० रही। चिकित्सकों के अनुसार गर्मी बढ़ने और दूषित पानी पीने के चलते लोग बीमार पड़ रहे हैं। फिजिशियन डॉ. आनंद खंकरियाल ने बताया कि इन दिनों हर आयु वर्ग के लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अधिकांश मामले बुखार, डायरिया, पेट दर्द, टायफाइड आदि से जुड़े हुए हैं। बताया कि इन बीमारियों की चपेट में आने से अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। वहीं अनूप सिंह व राम अवतार सिंह ने बताया कि बीते दो तीन दिनों से लोग बुखार और सिरदर्द से पीड़ित होने के चलते अस्पताल पहुंच रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

'अतीत' बने पहाड़ के 'कोठार'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के पुराने घरों में एक कमरा ऐसा होता था, जो सिर्फ कमरा नहीं होता था। वह घर की समृ(का प्रतीक होता था, परिवार की सुरक्षा का भरोसा होता था और बच्चों के लिए सबसे प्रिय ठिकाना भी। इसे पहाड़ में कोठार कहा जाता था। आज सीमेंट के मकानों और आधुनिक जीवनशैली के बीच कोठार धीरे-धीरे इतिहास बनते जा रहे हैं। लेकिन जिन लोगों ने अपना बचपन गांवों में बिताया है, उनके लिए कोठार केवल अनाज रखने की जगह नहीं, बल्कि यादों का एक जीवित संसार है।

जब गांवों में बाजार दूर थे और हर परिवार अपनी जरूरत का अधिकांश अनाज खुद पैदा करता था, तब कोठार घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गेहूं, धान, मंडुवा, झंगोरा, गहत, भट्ट और राजमा जैसे अनाज पूरे साल के लिए यहीं सुरक्षित रखे जाते थे। मिट्टी, पत्थर और लकड़ी से बने इन कोठारों में अनाज को नमी, चूहों और कीड़ों से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए जाते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति का अंदाजा भी अक्सर कोठार में भरे अनाज से लगाया जाता था। बुजुर्ग कहा करते थे जिसका कोठार भरा हो, उसका मन भी भरा रहता है। दिन में जहां अनाज की बोरियां और लकड़ी के बक्से रखे रहते थे, वहीं रात होते ही यही कोठार बच्चों का शयनकक्ष बन जाता था।

सर्दियों की ठंडी रातों में जब बाहर बर्फीली हवाएं चलती थीं, तब कोठार के भीतर एक अलग ही गर्माहट महसूस होती थी। अनाज की बोरियों के बीच बिछे बिस्तरों पर बच्चे, भाई-बहन और कई बार मेहमान भी साथ सोते थे। दादी की कहानियां, मां की लोरियां और लालटेन की मंम रोशनी में बीतती रातें आज भी

> ●सिर्फ अनाज का भंडार नहीं, स्मृतियों का अनमोल संसार था कोठार का एक कोना
> ●सीमेंट के जंगलों में खो गई काष्ठशिल्प की विरासत,आधुनिक जीवनशैली ने छीनी पहचान
> ●पुरखों की थाती में नई पीढ़ी के लिए सिर्फकौतूहल बनकर रह गए हैं आज कोठार

कई लोगों की स्मृतियों में जिंदा हैं। कोठार की अपनी एक महक होती थी। ताजे धान, सूखे गेहूं, मंडुवे और लकड़ी की मिश्रित खुशबू। आज भी जब गांव लौटे लोग किसी पुराने कोठार का दरवाजा खोलते हैं तो वह खुशबू उन्हें सीधे बचपन में पहुंचा देती है। याद आता है कि कैसे अनाज की बोरियों पर चढ़कर खेला करते थे, कैसे छिपन-छिपाई का सबसे सुरक्षित अड्डा वही हुआ करता था। कई बच्चों के लिए कोठार किसी रहस्यमयी दुनिया से कम नहीं था।

कोठार सिर्फ अनाज का भंडार नहीं था, वह पहाड़ की आत्मनिर्भरता का प्रतीक था। वह बताता था कि परिवार ने साल भर मेहनत की है और आने वाले मौसमों के लिए तैयारी भी कर ली है। आज बाजारों और ऑनलाइन डिलीवरी के दौर में शायद यह एहसास कम हो गया है कि एक समय भोजन की सुरक्षा घर के कोठार से तय होती थी। पलायन ने सबसे ज्यादा असर गांवों के कोठारों पर भी डाला है, जिन कमरों में कभी अनाज से भरी बोरियां रखी रहती थीं, वहां आज सन्नाटा पसरा है।

कई घरों के कोठार बंद पड़े हैं। कुछ टूट चुके हैं और कुछ आधुनिक निर्माण की भेंट चढ़ गए हैं। उनके साथ ही एक जीवनशैली, एक संस्कृति और यादों का एक पूरा संसार भी धीरे-धीरे गायब हो रहा है। जब गांव के बुजुर्ग अपने पुराने दिनों को याद करते हैं तो उनकी आंखों में चमक आ जाती है। वह खेती की बात करते हैं, फसलों की बात करते हैं और फिर अनायास ही कोठार का जिक्र आ जाता है।

शायद इसलिए कि कोठार में केवल अनाज नहीं रखा जाता था।वहां परिवार की मेहनत रखी जाती थी।वहां आने वाले कल की उम्मीद रखी जाती थी।वहां बच्चों का बचपन रखा जाता था।और सबसे बढ़कर, वहां पहाड़ की आत्मा बसती थी। आज भले ही कोठार खाली हों, लेकिन उनकी यादें अब भी हजारों पहाड़ी दिलों में भरी हुई हैं।

यूकेडी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र भ्रमण किया

चम्पावत(आरएनएस)। यूकेडी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बाराकोट में ग्रामीणों को पार्टी की रीति नीति की जानकारी दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यूकेडी सपनों का उत्तराखंड बनाएगी।

यूकेडी के जिला प्रभारी प्रहलाद मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाराकोट के रेगडू, आगर, चाख, मल्ली छंदा, खकोड़ा, राई, हिचौड़ा, मल्ली व तल्ली गुरना और दयारतोली में जन संपर्क किया। इस दौरान क्षेत्र की जनता ने समस्याएं रखी।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस तरह से सत्ताधारी पार्टी के रोज नए कारनामे बाहर आ रहे हैं, इससे जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही ही।

नगर निगम क्षेत्र में बनाए जाए चार नए कूड़ा निस्तारण केंद्र

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पार्षदों और स्थानीय लोगों ने चार नए कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने एसडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पालिका परिषद से नगर निगम बनने के बाद कोटद्वार का क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों में वृद्धि हुई है। वर्तमान में नगर निगम क्षेत्र में 4० वार्ड शामिल हैं और लगातार शहरी विस्तार हो रहा है। इसके चलते प्रतिदिन निकलने वाले ठोस अपशिष्ट की मात्रा भी बढ़ रही है। पार्षदों ने बताया कि वार्ड संख्या-1० स्थित कूड़ा निस्तारण केंद्र लंबे समय से पूरे नगर क्षेत्र की जरूरत पूरी कर रहा है लेकिन बढ़ती आबादी और विस्तृत क्षेत्र को देखते हुए अब केवल एक केंद्र पर्याप्त नहीं है। पार्षदों ने नगर निगम क्षेत्र में शामिल पूर्व की चार न्याय पंचायतों के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र में एक-एक नया कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कूड़े के त्वरित निस्तारण, स्वच्छता व्यवस्था में सुधार, पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद विपिन डोबरियाल, हिमांशु वर्मा, दीपक शाह, आशा, अतुल, नीलम, नीरज, डिंपल कांबोज, शराफत, रामस्वरूप और राघव समेत अन्य लोग शामिल रहे।

लैंसडौन में छावनी परिषद का मुसाफिरखाना बन गया मालखाना

कोटद्वार(आरएनएस)। छावनी परिषद की ओर से बनाए गए मुसाफिरखाना (यात्री शेड) का उपयोग अब मालखाना (गोदाम) के रूप में होने लगा है।

होटल, रिजॉर्ट्स आदि में भी कमरे नहीं मिलने पर ऐसे लोगों को खुले आसमान के नीचे रात गुजारने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के दौरान रोजाना सैकड़ों पर्यटक लैंसडौन पहुंचते हैं। वहीं, इन दिनों सेना में भर्ती हुए अग्निवीर नियुक्तिपत्र लेने के लिए लैंसडौन पहुंचे हैं। ऐसे में लैंसडौन और आसपास के क्षेत्रों में होटलों एवं रिजॉर्ट्स में कमरे बुक कराने को लेकर मारामारी मची है। बड़ी संख्या में लोगों को कमरे नहीं मिल पा रहे हैं।

बता दें कि वर्ष 1915 के आसपास गांधी चौक (छोटा परेड ग्राउंड) क्षेत्र में काफी बड़ा खुला टिनशेड बनाया गया था। इस टिनशेड में फेरी वाले व छोटे व्यवसायी के साथ ही बाहर से आने वाले यात्री विश्राम करते थे। यह शेड मुसाफिरों को धूप और बारिश से बचाता था। वर्ष 2०13-14 में सांसद सतपाल महाराज की ओर से स्वीकृत छह लाख रुपये की सांसद निधि से यात्री शेड का पुर्ननिर्माण कराया गया था। वर्ष 2०15 में नया यात्री शेड बनकर तैयार हो गया था।

वर्ष 2०22 में इसे पर्यटन पुलिस चौकी के लिए पुलिस को दे दिया गया था। वर्ष 2०25 में छावनी परिषद द्वारा यात्री शेड को यह कहते हुए खाली करवा लिया गया था कि इस यात्री शेड का उपयोग यात्रियों की सुविधाओं के लिए किया जाना है लेकिन पुलिस से स्थान खाली करवाने के बाद से अब इसका उपयोग गोदाम के रूप में किया जा रहा है। यात्री शेड में कैंट के ठेकेदार के सीमेंट के बैग रखे गए हैं। इतना ही नहीं यहां लावारिस कुत्तों ने डेरा जमा लिया है।

कामकाजी महिलाओं के लिए समय की बचत से जुड़े ये 5 टिप्स हो सकते हैं लाभदायक

आजकल महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं, फिर चाहे वह ऑफिस हो या घर हो। कामकाजी महिलाओं के लिए समय का प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। सही समय प्रबंधन से महिलाएं अपने कामों को आसानी से पूरा कर सकती हैं और तनावमुक्त रह सकती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार सुझाव जानेंगे, जो कामकाजी महिलाओं के लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं।

प्राथमिकता तय करें– सबसे पहले आपको यह तय करना होगा कि कौन–से काम सबसे ज्यादा अहम हैं और उन्हें पहले करना चाहिए। इसके लिए आप एक सूची बना सकती हैं, जिसमें सबसे जरूरी काम ऊपर हों और कम जरूरी नीचे। इससे आपको यह पता चलेगा कि किस काम पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है और कौन–से काम बाद में किए जा सकते हैं। इससे आपका समय सही तरीके से बंटेगा और आप तनावमुक्त रहेंगी।

अलार्म का उपयोग करें– अपने मोबाइल या घड़ी पर अलार्म सेट करें ताकि आप समय पर हर काम कर सकें। इससे आप किसी भी काम में देरी नहीं होंगी और सब कुछ समय पर पूरा होगा। अलार्म का उपयोग करने से आप अपने दिनचर्या को बेहतर तरीके से संभाल सकेंगी और किसी भी काम को भूलने से बच सकेंगी। यह आदत आपके समय प्रबंधन को सुधारने में बहुत मददगार साबित हो सकती है।

छोटे–छोटे ब्रेक लें– काम करते समय छोटे–छोटे ब्रेक लेना बहुत जरूरी है ताकि आप थकान महसूस न करें। 5० मिनट काम करने के बाद 1० मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ी टहलें या कुछ हल्का खाएं, जिससे आपकी ऊर्जा बनी रहेगी और आप फिर से ताजगी से काम कर सकेंगी। ब्रेक लेने से आपका ध्यान भी बेहतर रहेगा और आप ज्यादा उत्पादक बन सकेंगी। यह आदत आपको थकान से बचाएगी और आपके काम की गुणवत्ता को भी बढ़ाएगी।

एक समय में एक काम करें– एक साथ कई काम करने से अक्सर कोई एक काम ठीक से नहीं होता। इसलिए जितना संभव हो उतना एक समय में एक ही काम करें। इससे आपका ध्यान भटकेगा नहीं और आपका काम जल्दी पूरा होगा। एक समय में एक काम करने पर आप हर काम को बेहतर तरीके से कर पाएंगी और आपका समय भी बच सकेगा। इससे आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आप कम तनाव में अधिक काम कर सकेंगी।

योजना बनाकर चलें– रोजाना सुबह उठते ही या रात को सोने से पहले अगले दिन की योजना बना लें कि आपको कौन–कौन से काम करने हैं और किस क्रम में करने हैं। इससे आपका दिन व्यवस्थित रहेगा और आपको किसी भी काम में परेशानी नहीं होगी। इन सरल लेकिन असरदार सुझावों को अपनाकर आप अपने समय प्रबंधन को बेहतर बना सकती हैं और अपने जीवन को संतुलित रख सकती हैं।

चुकंदर को लेकर लोगों के मन में हैं ये आम भ्रम, जानिए इनकी सच्चाई

चुकंदर को सबसे सेहतमंद सब्जियों में गिना जाता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि त्वचा को भी निखार देता है। हालांकि, इस सब्जी को लेकर लोगों में कई भ्रम फैले हुए हैं। इस लेख में हम कुछ आम भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि चुकंदर का सेवन कैसे लोगों के लिए लाभकारी हो सकता है। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप सही निर्णय ले पाएंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

भ्रम– चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है

बहुत से लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है। यह एक गलत धारणा है, क्योंकि चुकंदर में कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होता है। फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाते हैं।

भ्रम– चुकंदर का रंग मूड खराब करता है

कुछ लोग मानते हैं कि चुकंदर का रंग मूड खराब कर सकता है, खासकर जब यह दांतों या हाथों पर लग जाता है। हालांकि, यह सिर्फ एक भ्रम है। सही तरीके से धोने पर चुकंदर का रंग आसानी से हट जाता है। आप चाहें तो चुकंदर को छीलकर उसका रस निकाल सकते हैं, जिससे रंग की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व आपके मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

भ्रम– चुकंदर खाने से पेट में गैस बनती है

चुकंदर खाने से गैस बनने का डर बहुत लोगों में होता है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। अगर आप संतुलित मात्रा में चुकंदर खाते हैं तो इससे गैस नहीं बनती। दरअसल, चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और पाचन प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। इसलिए, संतुलन में ही चुकंदर का सेवन करें, ताकि आप इसके सभी फायदों का आनंद ले सकें और गैस से बच सकें।

भ्रम– चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए

कई लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए, ताकि इसके सभी लाभ मिल सकें। हालांकि, सच्चाई यह है कि कुछ पोषक तत्व पकाने पर भी बने रहते हैं और कुछ नए बन जाते हैं। कच्चे चुकंदर सलाद में अच्छे लगते हैं, जबकि भुने या उबले हुए चुकंदर सूप या पराठे में स्वादिष्ट लगते हैं। इसलिए, इसे अपनी पसंद और आवश्यकता अनुसार किसी भी रूप में खाया जा सकता है।

देहरादून में फुटपाथ पर दुकान, सड़क पर दौड़ रहे यमराज!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में यदि किसी को यह जानना हो कि प्रशासनिक व्यवस्था कितनी सक्रिय है, तो उसे किसी सरकारी रिपोर्ट की जरूरत नहीं। बस शहर के किसी भी प्रमुख फुटपाथ पर पांच मिनट खड़े हो जाइए। तस्वीर खुद बता देगी कि फुटपाथ अब पैदल यात्रियों के नहीं, बल्कि कब्जेदारों के हो चुके हैं। आम आदमी सड़क पर है और व्यवस्था फाइलों में। नगर निगम हर महीने अतिक्रमण हटाने के अभियान की तस्वीरें जारी करता है। पुलिस ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बताती है। सरकार स्मार्ट सिटी और सुशासन के दावे करती है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि राजधानी के अधिकांश फुटपाथों पर खुलेआम दुकानें सजी हैं और पैदल चलने वाला व्यक्ति अपनी जान हथेली पर रखकर सड़क पर चलने को मजबूर है।

देहरादून के घंटाघर से पल्टन बाजार, लालपुल से प्रिंस चौक, सहारनपुर रोड से राजपुर रोड और आईएसबीटी से बल्लूपुर सहित शहर की सभी सड़कों और फुटपाथों पर रोज दुकानें सजती हैं। यह कोई रातों–रात होने वाला कब्जा नहीं है। यह रोज होता है, सबकी आंखों के सामने होता है और फिर भी चलता रहता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल नगर निगम से है। आखिर जिन फुटपाथों की जिम्मेदारी उसके पास है, वे वर्षों से कब्जे में कैसे हैं? पुलिस से भी सवाल है कि जब ट्रैफिक पुलिस हर चौराहे पर मौजूद रहती है, तो सड़क पर उतरने को मजबूर पैदल यात्री उसे क्यों दिखाई नहीं देते? और सरकार से भी सवाल है कि क्या स्मार्ट सिटी का मतलब केवल सुंदर टाइलें बिछाना है, या उन पर आम नागरिक का अधिकार भी सुनिश्चित करना है?

राजधानी में अतिक्रमण हटाने के अभियान अब लोगों के बीच मजाक का विषय बनने लगे हैं। सुबह जेसीबी चलती है, दोपहर तक फोटो और प्रेस विज्ञप्ति जारी होती है और कुछ दिन बाद वहीं फिर वही दुकानें लग जाती हैं। यदि यही कार्रवाई है, तो फिर यह मानने में क्या संकोच कि समस्या कब्जेदारों से ज्यादा व्यवस्था की इच्छाशक्ति की है?

●फुटपाथ बिके, यात्री सड़कों पर पैदल चलने को हैं मजबूर

●नगर निगम के दावे खोखले, पुलिस की चौकसी पर सवाल

●सवाल यह नहीं कब्जा है, सवाल यह है कि हटाता कौन नहीं

राजधानी के लालपुल में सिटी बस की चपेट में आए लोगों की घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया। दुर्घटना के कारणों की जांच अपने स्थान पर है, लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि जब फुटपाथ कब्जे में होंगे तो पैदल यात्री सड़क पर ही चलेंगे। और जब सड़क पर पैदल यात्री होंगे, तो हादसों का खतरा भी बढ़ेगा। यह केवल ट्रैफिक का मुद्दा नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही का भी सवाल है। शहर में वर्षों से एक सवाल गूंज रहा हैकृयदि रोज लगने वाले कब्जे अवैध हैं तो वह रोज लगते कैसे हैं? यदि वैध हैं तो फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का अधिकार कहां गया? और यदि अवैध हैं, तो फिर कार्रवाई स्थायी क्यों नहीं होती? यही वह सवाल हैं जिनका जवाब न नगर निगम देता है, न पुलिस और न ही सरकार।

सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर सड़कें चौड़ी कर रही है, फुटपाथ बना रही है और शहर को आधुनिक बनाने के दावे कर रही है। लेकिन सबसे बुनियादी अधिकारकृसुरक्षित पैदल चलने का अधिकार आज भी नागरिकों को नहीं मिल पाया है। विडंबना यह है कि राजधानी में वाहन के लिए सड़क है, दुकान के लिए फुटपाथ है, लेकिन पैदल चलने वाले के लिए कोई जगह नहीं बची। आमजन का सवाल है कि क्या नगर निगम केवल चालान और प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित रहेगा? क्या पुलिस की जिम्मेदारी केवल वाहनों का चालान काटने तक है? क्या सरकार स्मार्ट सिटी की रैंकिंग से आगे बढ़कर नागरिकों की सुरक्षा पर भी ध्यान देगी? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही फुटपाथ पैदल यात्रियों को वापस मिलेंगे? अब इन प्रश्नों का उत्तर मांगे तो मांगे किससे।

यह सर्व विदित है कि फुटपाथ पर कब्जा केवल अतिक्रमण नहीं, बल्कि आम नागरिक के अधिकार पर कब्जा है। जब व्यवस्था अपनी आंखों के सामने सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे होते देख भी मौन रहती है, तो सवाल केवल प्रशासनिक विफलता का नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकताओं का भी बन जाता है। राजधानी के लोग अब यह नहीं पूछ रहे कि फुटपाथ पर कब्जा किसने किया। वह यह पूछ रहे हैं कि फुटपाथ आखिर खाली कौन नहीं कराना चाहता?

शब्द सामर्थ्य -219

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़–तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज–बीन, जांच–पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

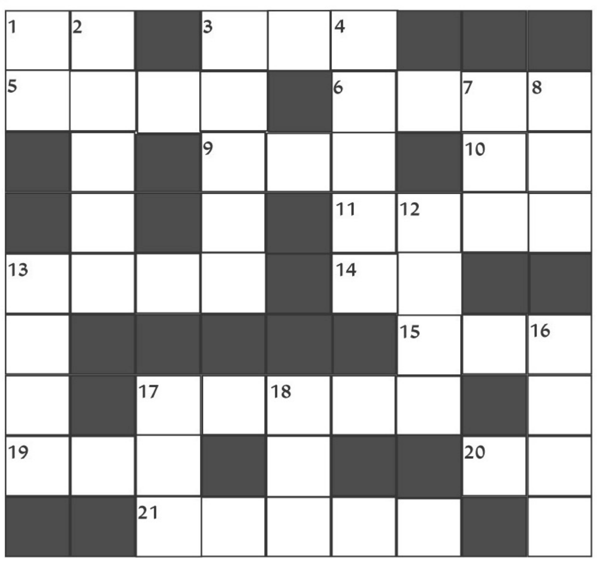

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 218 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

समर सीजन में स्टाइलिश दिखने के लिए वॉर्डरोब में शामिल करें ये ट्रेंडिंग बैग्स

हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए. आइये देखते हैं.

नेचुरल फाइबर टोट बैग

हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए. आइये देखते हैं.

नेचुरल फाइबर टोट बैग

हैंडबैग कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं जा सकता क्योंकि यह आपके पूरे पहनावे में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है जो आपको कभी निराश नहीं करेगा. अगर आप क्लच की शौकीन हैं तो लिफाफा क्लच आपके वॉर्डरोब में होने चाहिए. यह आपको सिग्नेचर, सील्ड और डिलीवरी जैसे क्लासिक वाइब देते हैं, जो सीधे मिलान रनवे से आते हैं और दुनिया भर में छा हुए हैं. बोट्टेगा वेनेटा, गुच्ची जैसे कई लोकप्रिय लक्जरी ब्रांड ने इस तरह के क्लच लॉन्च किए हैं, जो हाल ही में मुख्य रूप से मशहूर हस्तियों और बिजनेस वुमन्स के बीच काफी हिट हो रहा है.

९० के दशक का शोल्डर बैग

विंटेज शोल्डर बैग वापस स्टाइल में आ गए हैं, जिन्हें बैगूएट्स भी कहा जा रहा है और पेस्टल शेड्स में ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिसमें चेरी मोचा कलर समर के लिए सदाबहार है. इन शोल्डर बैग में आपकी जरूरी चीजों के लिए न्यूनतम जगह होती है और ये समर कैजुअल के साथ या लॉन्ग और शॉर्ट ड्रेस के साथ समर डेट नाइट के लिए क्लासिक दिखते हैं. क्लीन लाइन्स और छोटी स्ट्रैप आपको एक सॉफ्ट गर्ल-एरा वाली वाइब देंगी.

कार्गो बैग

कार्गो बैग के प्रति ऑफिस गोइंग गर्ल्स के बीच काफी क्रेज देखने को मिलता है. खासतौर से जिन्हें हर समय अपने लैपटॉप की आवश्यकता होती है. इस तरह के बैग में सही अलाइनमेंट और सेटिंग्स दी गई होती हैं, जिससे आपके सभी आवश्यक सामानों जैसे एक लैपटॉप, पानी की बोतल और कई अन्य छोटी आसानी से आ सकती हैं. ये कार्गो-स्टाइल स्क्वायर ऑफिस टोट बैग हर लड़की के बीच वायरल है और लगभग हर किसी की अलमारी में देखे जा सकते हैं. अगर आप एक ऑफिस गर्ल हैं और अपनी दुनिया अपने बैग में रखना चाहती हैं तो क्लासिक और आकर्षक लुक देते हुए इन बैग्स को चुनें.

बकेट बैग

डफ़ल या टिफ़िन बैग से इंस्पिरेशन लेते हुए, ये बकेट बैग वैनिटी से प्रतिध्वनित होते हैं. इंस्पिरेशन में किसी का वैनिटी डिज़ाइन भी शामिल हो सकता है जहां ये बकेट बैग छोटे मिनिएचर बॉक्सेस का आकार लेते हैं और एक टॉप-नॉच वाइब देते हुए काफी आकर्षक लगते हैं. इस तरह के बैग्स समर आउटफिट के पूरे लुक को निखारते हैं और दिन और रात दोनों तरह के आउटफिट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं.

रश्मिका मंदाना पहली बार बायोपिक में निभा सकती हैं ये किरदार

रश्मिका मंदाना की कामकाजी जिंदगी से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आया है। खबर है कि वह पहली बार बायोपिक में दिखेंगी और मशहूर गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं। इसके निर्देशन की कमान गौतम तिन्ननुरी पर है, जिन्हें शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी (२०22) के लिए जाना जाता है। इस खबर ने रश्मिका के फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। बता दें, सुब्बुलक्ष्मी कर्नाटक संगीत जगत की महान गायिका थीं। दिसंबर, २००४ में उनका निधन हो गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका को बायोपिक में मशहूर गायिका का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। यह भी पता चला है कि हाल ही में अभिनेत्री के घर पर लुक टेस्ट का आयोजन किया गया था। पहले खबर आई थी कि फिल्म में सुब्बुलक्ष्मी के किरदार के लिए साई पल्लवी का नाम तय किया गया है। फिर खबर आई कि साई की जगह रुक्मिणी वसंत को चुन लिया गया है और अब रश्मिका का नाम सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है, लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि फिलहाल फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल रश्मिका अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें उनके साथ शाहिद और कृति सैनन भी नजर आएंगे। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

मराठी मेरी पहचान है, लेकिन नई भाषाएं सीखना रोमांचित करता है : शरवरी वाघ

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा। शरवरी वाघ ने कहा, घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था।

शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं।

शरवरी ने कहा, अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं। महाराष्ट्र से होने का एक फायदा यह भी मिला कि मुझे दूसरी भाषाओं को समझने और अपनाने में आसानी हुई। भारत की कई भाषाएं एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई हैं। यही वजह है कि नई भाषा सीखने की प्रक्रिया मेरे लिए मुश्किल के बजाय आनंददायक रही।

फिल्म मैं वापस आऊंगा भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि में बुनी गई एक प्रेम कहानी है। फिल्म में शरवरी के अलावा दिलजीत दोसांझ और नसीरुद्दीन शाह जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म का निर्माण बिरला स्टूडियो, अप्लॉज एंटरटेनमेंट, मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार की विंडो सीट फिल्म्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

कल्कि 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है : नाग अश्विन

प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी साल 2०24 की सबसे बड़ी थिएटर हिट फिल्मों में से एक रही. अब डायरेक्टर नाग अश्विन ने इसके सीक्वल की शूटिंग के बारे में जानकारी दी है. डायरेक्टर नाग अश्विन ने कन्फर्म किया है कि कल्कि 2898 एडी के सीक्वल पर काम शुरू हो चुका है और अगले महीने से इसकी शूटिंग फिर से शुरू होगी. मीडिया से बात करते हुए नाग अश्विन ने कहा, कल्कि 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है. हम अगले महीने से लगातार शूटिंग करने और इसे तेजी से पूरा करने की तैयारी कर रहे हैं.

अमिताभ बच्चन और कमल हासन ने कल्कि के सीक्वल की शूटिंग शुरू कर दी है और अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर सेट से कुछ तस्वीरें भी शेयर की थी. प्रभास अभी इन शेड्यूल में शामिल नहीं हुए हैं. नाग अश्विन अभी कमल हासन और बाकी कलाकारों वाले सीन शूट कर रहे हैं, जबकि प्रभास के आने वाले शेड्यूल में शामिल होने की उम्मीद है.

इस सीक्वल में प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन की तिकड़ी फिर से नजर आएगी. फिल्म के जबरदस्त विजुअल इफेक्ट्स, मुश्किल एक्शन डिजाइन और बेहतरीन वर्ल्ड-बिल्डिंग को ओरिजिनल फिल्म के स्तर का बनाए रखने के लिए, मेकर्स एक लंबी टाइमलाइन तैयार कर रहे हैं. टीम का लक्ष्य अप्रैल 2०27 तक मुख्य शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा पूरा करना है, ताकि दिसंबर 2०27 में फिल्म की भव्य थिएट्रिकल रिलीज से पहले पोस्ट-प्रोडक्शन के लंबे और डिटेल्ड काम के लिए काफी समय मिल सके.

दीपिका पादुकोण सीक्वल में नजर नहीं आएंगी. सितंबर 2०25 में एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर मेकर्स ने लिखा, हम आधिकारिक तौर पर यह अनाउंस कर रहे हैं कि दीपिका पादुकोण कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी. सोच-समझकर हमने अलग होने का फैसला किया है. पहली फिल्म बनाने के लंबे सफर के बावजूद, हम साथ काम करने का सही तालमेल नहीं बिठा पाए. और कल्कि जैसी फिल्म को उस तरह के कमिटमेंट और उससे भी ज्यादा की जरूरत है. हम उनके भविष्य के कामों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं.

डायरेक्टर नाग अश्विन ने पहले एक पॉडकास्ट में इस बारे में बात की थी. उन्होंने बताया कि सीक्वल का दायरा पहली फिल्म से कहीं ज्यादा थी, इसलिए इसके लिए ज्यादा समय की जरूरत थी. अश्विन ने यह भी बताया कि मुख्य कलाकारों के शेड्यूल को मैनेज करना एक चुनौती थी और पहले से तय किए गए एक्शन सीन पहली फिल्म के सीन से काफी बड़े थे. उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट के पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस में आम तौर पर फिल्म की शूटिंग से भी ज्यादा समय लगता है.

नैनबाग अस्पताल उच्चीकरण का प्रस्ताव फाइलों में कैद

नई टिहरी (आरएनएस)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग का उच्चीकरण कब होगा। वर्षो से क्षेत्र के लोग अस्पताल के उच्चीकरण की राह ताक रहे है। स्थानीय लोगों की मांग पर पूर्व में स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल के उच्चीकरण करने की घोषणा की थी लेकिन उच्चीकरण की कार्रवाई कागजों तक सिमटकर रह गई। उच्चीकरण न होने से क्षेत्र के लोगों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।जौनपुर ब्लॉक के नैनबाग क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का सबसे बड़ा अभाव है। वर्ष 2000 में नैनबाग में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की गई थी। वहां एक डॉक्टर और फार्मासिस्ट कार्यरत हैं। बेड की संख्या सिर्फ चार है जबकि नैनबाग गंगोत्री, यमुनोत्री यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक क्षेत्र से सटे होने के कारण क्षेत्र के कई गांव के लोग प्राथमिक उपचार के लिए नैनबाग अस्पताल में आते हैं लेकिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्सरे, ईसीजी, पैथोलॉजी जांच और अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी सुविधाएं न होने के कारण लोगों को निराश होकर मसूरी या फिर देहरादून का रुख करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों की मांग पर गत वर्ष तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने जौनपुर महोत्सव में नैनबाग के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण करने की घोषणा की थी। सीएमओ कार्यालय की ओर से प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन स्वास्थ्य महानिदेशालय से नैनबाग क्षेत्र में जनसंख्या का कम मानक का हवाला देकर प्रस्ताव को लौटा दिया था।

16 साल से सड़क का इंतजार, लुठियाग के ग्रामीणों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। 16 वर्षों से मोटर मार्ग की मांग कर रहे ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। उन्होंने सड़क न होने पर आगामी चुनाव के बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। ब्लॉक जखोली की ग्राम पंचायत लुठियाग के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण नहीं होने पर आगामी चुनावों के बहिष्कार की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 16 वर्षों से वे सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल सर्वे ही होते रहे हैं। चिरबटिया बाजार से लुठियाग गांव तक करीब पांच किलोमीटर का रास्ता आज भी पैदल तय करना पड़ता है। सड़क नहीं होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। आपात स्थिति में मरीजों को डोली के सहारे अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन दिए गए, लेकिन सड़क निर्माण शुरू नहीं हो पाया। हाल ही में प्रभारी मंत्री गणेश जोशी को भी ज्ञापन सौंपा गया है। ग्राम प्रधान सुदीपा मैहरा की अध्यक्षता में मोटर मार्ग निर्माण समिति का गठन किया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो चिरबटिया बाजार में क्रमिक अनशन, चक्का जाम और आमरण अनशन किया जाएगा। साथ ही विधानसभा चुनाव के बहिष्कार पर भी विचार किया जाएगा।

सू- दोकू क्र.219

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.218 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भाजपा की बैठक में संगठन मजबूती और विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर जोर

अल्मोड़ा (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अल्मोड़ा के अंतर्गत नगर क्षेत्र के सभी शक्ति केंद्रों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड सरकार में दर्जा राज्य मंत्री एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष शिव सिंह बिष्ट मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की जमीनी मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए शिव सिंह बिष्ट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति बूथ स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र और बूथ संगठन की रीढ़ हैं तथा इन्हीं के माध्यम से पार्टी की नीतियां और सरकार की योजनाएं आम जनता तक पहुंचती हैं। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लोकतंत्र और संगठन दोनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह मतदाता सूची को अधिक सशक्त और पारदर्शी बनाने का प्रयास है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन सुनिश्चित करने और अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और जनहित के संकल्प के साथ कार्य करता है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को संगठन की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने कहा कि नगर मंडल अल्मोड़ा में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नियमित बैठकों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाना आवश्यक है। नगर निगम अल्मोड़ा के मेयर अजय वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की मजबूती, मतदान केंद्र प्रबंधन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक अभियानों को सफल बनाने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में दर्जा राज्य मंत्री कुंदन लटवाल, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री बिट्टू कर्नाटक, प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष किरण पंत, प्रदेश मंत्री धर्मवीर आर्या, अर्जुन बिष्ट, देवेंद्र भट्ट, पूनम पालीवाल, मनोज सनवाल, संदीप श्रीवास्तव, मनीष जोशी, सौरभ वर्मा, अमित साह, इन्द्रमोहन भंडारी, विजय भट्ट, मीरा मिश्रा, अभिषेक जोशी, दिनेश मठपाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो जुलाई को चारों तहसीलों में मॉक ड्रिल

बागेश्वर (आरएनएस)। अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में दो जुलाई को जनपद की चारों तहसीलों में मॉक ड्रिल कराने की तैयारियों की समीक्षा की गई।

एडीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय पर आवश्यक संसाधनों एवं उपकरणों सहित उपस्थित रहकर अभ्यास को सफल बनाने के निर्देश दिए।

मॉक ड्रिल में भूकंप, भूस्खलन और अतिवृष्टि/क्लाउडबर्स्ट जैसी काल्पनिक आपदा परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। बागेश्वर, गरुड़, कपकोट और कांडा तहसील में अलग-अलग आपदा परिदृश्यों पर आधारित अभ्यास होगा, जिसमें पुलिस, एसडीआरएफ, फायर, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विभागों की टीमें भाग लेंगी।

दौलाघाट में स्वास्थ्य शिविर में 300 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

अल्मोड़ा (आरएनएस)। हवालबाग विकासखंड के दौलाघाट में बृज लाल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर हल्द्वानी के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हवालबाग के अध्यक्ष शिवराज नयाल के नेतृत्व में आयोजित शिविर में हड्डी रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग एवं बाल रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में करीब 300 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस दौरान निशुल्क जांच एवं दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में बृज लाल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. अजय पाल ने कहा कि मौसम परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों से नियमित व्यायाम, संतुलित खानपान और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने बढ़ते नशे पर चिंता व्यक्त करते हुए महिलाओं से नशा विरोधी अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्लॉक अध्यक्ष शिवराज नयाल ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए डॉ. अजय पाल और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख रमेश भाकुनी, कांग्रेस जिला महामंत्री दिनेश पिलख्वाल, पंकज पाठक, राजेंद्र नेगी, प्रकाश आर्या, कैलाश तिवारी, ताकुला ब्लॉक अध्यक्ष बहादुर मेहता, मजखाली ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार, कमला आर्या सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन सहित कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर हाइड्रो यूनियन ने बनाई रणनीति

हरिद्वार (आरएनएस)। हाइड्रो इलेक्ट्रिक इम्प्लाइज यूनियन (इंटक) की केंद्रीय कार्यकारिणी बैठक में कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों पर चर्चा की गई।

बैठक में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने सहित कई लंबित मामलों के समाधान की मांग उठाई गई। हाइड्रो इलेक्ट्रिक इम्प्लाइज यूनियन (इंटक) की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक मायापुर स्थित संगठन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के वरिष्ठ नेता अशोक टण्डन ने की। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लेकर कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, अप्रैल 2020 के बाद नियुक्त कार्मिकों को विद्युत टैरिफ का लाभ दिए जाने, टीजी-द्वितीय से अवर अभियंता पद पर पदोन्नति तथा सेल्फ हेल्प ग्रुप के कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वरिष्ठ नेता अशोक टंडन और प्रदेश अध्यक्ष केहर सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर संगठन लगातार प्रयासरत है और सरकार व प्रबंधन के समक्ष मजबूती से पक्ष रखा जाएगा। कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि नई नियुक्तियों को मिलने वाली सुविधाओं में भेदभाव समाप्त किया जाना चाहिए और सभी कर्मचारियों को समान अवसर मिलने चाहिए। प्रमुख महामंत्री सुनील तंवर ने कहा कि पदोन्नति संबंधी मामलों का शीघ्र निस्तारण कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए आवश्यक है। वहीं संगठन के संयोजक इन्सारूल हक ने कहा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप के कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना उनका अधिकार है और इस मुद्दे को संगठन पूरी गंभीरता से उठाएगा। बैठक में प्रभुदयाल, कपिल देव, मनोज रावत, मत्तिउल्ला, राकेश यादव, डॉ. एसएल शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्व. जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार में शामिल हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

हमारे संवाददाता

देहरादून। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मझौन, देहरादून में प्रसिद्ध निशानेबाज एवं पद्मश्री स्व. जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार में शामिल होकर स्व. जसपाल राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्व. जसपाल राणा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। साथ ही उन्होंने परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा भगवान से इस दु:ख की घड़ी में परिवार को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा, खजान दास , सांसद डॉ. महेश शर्मा, अजय भट्ट, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, विधायक पंकज सिंह एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दुकान का ताला तोड लाखों की नगदी व सामान चोरी

संवाददता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोड वहां से लाखों की नगदी व सामान चोर कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वसुन्धरा विहार निवासी किशन कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी राज प्लाजा में दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था। दुकान से एक लाख रूपये नगद, मोबाइल व अन्य सामान गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में शराब बरामद

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान अवैध मदिरा की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों तथा जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी टीम ने सतेराखाल बाजार में बड़ी कार्रवाई की। आबकारी टीम ने मौके से भारी मात्रा में शराब बरामद की गयी है। आबकारी निरीक्षक आनंद चौहान के नेतृत्व में टीम द्वारा सतेराखाल बाजार स्थित एक व्यक्ति के घर की नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान घर से 11 अध्दे और 49 पव्वे मैकडॉवल व्हिस्की अवैध रूप से बरामद की गई। बरामद अवैध अंग्रेजी शराब के संबंध में आरोपी के विरुद्ध मौके पर ही आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस अभियान में उप आबकारी निरीक्षक मधुर कुमार, आबकारी सिपाही रीना प्रधान, किरण प्रधान, सुंदरलाल तथा चंद्रिका भी मौजूद रहे। आबकारी निरीक्षक आनंद चौहान ने बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विभाग भविष्य में भी समय-समय पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है।

मोहर्रम की तैयारियों व फायर सेफ्टी की मंडलायुक्त ने की समीक्षा

हमारे संवाददाता

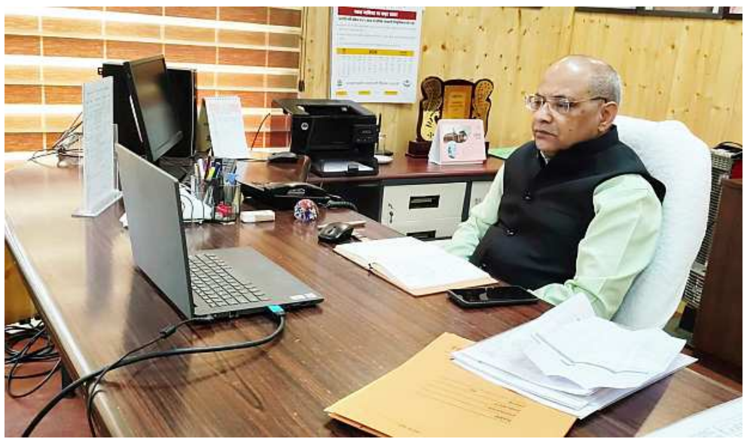

पौड़ी। आयुक्त गढ़वाल मंडल, आनंद स्वरूप ने आयुक्त कार्यालय के वीसी कक्ष से गढ़वाल मंडल के जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल माध्यम से मोहर्रम पर्व की तैयारियों तथा फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत आयुक्त ने सभी जनपदों में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि देहरादून एवं हरिद्वार जनपदों में विभिन्न स्थानों पर मोहर्रम जुलूस प्रस्तावित हैं, जबकि टिहरी गढ़वाल में एक स्थान पर जुलूस निकाला जाएगा।

आयुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा ताजिया कमेटियों, धर्मगुरुओं और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को होटल, अस्पताल, मॉल, कोचिंग संस्थानों, कार्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच की जाए।

आयुक्त ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से संभावित अग्निकांड एवं अन्य आपदा स्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में गढ़वाल मंडल के सभी जनपदों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

सऊदी अरब भेजने के नाम पर ठगे चार लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। साऊदी अरब भेजने के नाम पर चार लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी जुबैरूददीन ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान देवबंद निवासी मौहम्मद अमजद असलम से हुई। उसने उसको सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के लिए कहा। जिसके लिए उसने उससे चार लाख रूपये लिये। लेकिन ना तो उसको साऊदी अरब भेजा और न ही उसके पैसे वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अंकित कुमार बने अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। भारतीय अति पिछडा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राजकीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने अंकित कुमार को मोर्चा का प्रदेश अध्यक्षन मनोनित किया।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए मोहन प्रजापति ने बताया कि उनके द्वारा देहरादून निवासी अंकित कुमार को मोर्चे का प्रदेश अध्यक्ष मनोनित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में अति पिछडा वर्ग के लोगों पर हो रहे अत्याचा व शोषणम को रोकने कने लिए संगठ्न का विस्तार किया जा रहा है ताकि समय-समय पर मोर्चा द्वारा अति पिछडों के हक व हित की आवाज मजबूती से उठाई जाती रहे। उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अंकित कुमार से आशा व्यक्त की कि वह जल्द ही पूरे प्रदेश में संगठन की नीतियों का प्रचार प्रसार कर गति देने का काम करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डॉ राजवी हिसंह प्रजापति, सुन्दर लाल प्रजापति, मुकेश, राजू चौहान, सुरेश मौजूद रहे।

हरकी पैड़ी क्षेत्र में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार की स्वच्छता, सुंदरता एवं व्यवस्थित स्वरूप को बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के नेतृत्व एवं निर्देशन में हर की पैड़ी क्षेत्रांतर्गत शिव घाट,सुभाष घाट, मालवीय घाट एवं विष्णु घाट सहित विभिन्न घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें आपदा प्रबंधन ,भारतीय स्काउट गाइड, नगर निगम, सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि एवं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवानों द्वारा प्रतिभाग कर सफाई का कार्य किया गया साथ ही इन क्षेत्रों में नगर निगम की टीम द्वारा अतिक्रमण भी हटाया गया तथा लोगों को जागरूक भी किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों में तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ, सुंदर एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिससे कि हरिद्वार आने वाले तीर्थ यात्रियों/पर्यटकों को साफ स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, जनपदवासियों एवं सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ अभियान में सभी सहयोग करें तथा कोई भी व्यक्ति एवं श्रद्धालु कूड़े कचरे को गंगा घाटों, खुले स्थानों एवं सर्वाजनिक स्थानों पर न छोड़े।जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा स्थापित किए गए कूड़ा दानो में ही कूड़ा कचरे डालने की अपील की है जिससे कि पतित पावनी माँ गंगा की स्वच्छता बनी रहे। इस अवसर पर नगर निगम की स्वच्छता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर सोनिया सिंह, सफाई निरीक्षक संजय शर्मा , गंगा सभा के सदस्य, आदर्श युवा समिति, आस्था सेवा संस्थान, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के जवानों, नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सफाई अभियान में शामिल रहे।

बयानबाजी का 'ट्रेलर' रिलीज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की आहट तेज होते ही प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। अपनी पोस्ट में उन्होंने सीधे उत्तराखंड क्रांति दल पर निशाना साधते हुए लिखा कि अब देखना यह है कि यूकेडी कितनी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ती है या फिर किसी बड़े दल की गोद में बैठ जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूकेडी का इतिहास सत्ता के साथ जाने का रहा है।

Mahendra Bhatt
3m ·
मित्रों मुझे तो केवल अब ये देखना है कि उत्तराखंड क्रांति दल उत्तराखंड की कितनी विधानसभाओं में चुनाव लड़ता है, या किसी दल की गोद में बैठ जाता है क्युकि इस दल का इतिहास रहा है कि इसके जब भी जीतने विधायक जीते हैं सदेव सत्ता की ही गोद में बैठे हैं।
23 5

●भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पूछा- यूकेडी मैदान में उतरेगी या किसी बड़े दल की गोद में बैठेगी

●भाजपा को यूकेडी का डर या चुनावी बेचैनी, महेंद्र भट्ट की पोस्ट ने बढ़ाई सियासी हलचल

●विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की सोशल मीडिया पोस्ट पर उठे सवाल

यही पोस्ट अब राजनीतिक बहस का विषय बन गई है। सवाल यह उठ रहा है कि जिस यूकेडी का विधानसभा में वर्तमान में कोई प्रभावी प्रतिनिधित्व नहीं है, उस पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को सार्वजनिक टिप्पणी करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब कोई बड़ा दल किसी छोटे दल पर लगातार टिप्पणी करने लगे तो इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि वह उसके संभावित चुनावी प्रभाव को लेकर सतर्क है।

यूकेडी भले ही पिछले दो दशकों में चुनावी तौर पर कमजोर हुई हो, लेकिन उत्तराखंड राज्य आंदोलन की विरासत आज भी उसके साथ जुड़ी हुई है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पार्टी का भावनात्मक आधार अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में यदि विधानसभा चुनाव में यूकेडी अधिक सीटों पर उतरती है तो वह कई सीटों पर वोटों का समीकरण प्रभावित कर सकती है। महेंद्र भट्ट की पोस्ट को विपक्ष और राजनीतिक जानकार भाजपा की चुनावी रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

उनका कहना है कि भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि यूकेडी स्वतंत्र राजनीतिक ताकत नहीं रही, जबकि दूसरी ओर इस तरह की टिप्पणी यह भी संकेत देती है कि भाजपा किसी भी संभावित वोट कटवा समीकरण को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि उत्तराखंड की राजनीति में यूकेडी का वोट प्रतिशत भले सीमित रहा हो, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबलों में उसका प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक बन सकता है। यही कारण है कि चुनाव से पहले क्षेत्रीय दलों की गतिविधियों पर राष्ट्रीय दलों की पैनी नजर रहती है। हालांकि भाजपा की ओर से इसे सामान्य राजनीतिक टिप्पणी बताया जा सकता है, लेकिन समय और संदर्भ को देखते हुए यह पोस्ट कई सवाल छोड़ गई है। यदि यूकेडी वास्तव में भाजपा के लिए अप्रासंगिक है तो फिर उसके भविष्य को लेकर प्रदेश अध्यक्ष को सार्वजनिक टिप्पणी करने की जरूरत क्यों महसूस हुई?

अब निगाहें यूकेडी की रणनीति पर होंगी। क्या पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी या फिर किसी गठबंधन का रास्ता चुनेगी? इसका जवाब आने वाले महीनों में मिलेगा। लेकिन इतना तय है कि महेंद्र भट्ट की इस एक पोस्ट ने विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड की राजनीति में नई बहस जरूर छेड़ दी है।

जूते के शोरूम में लगी आग, लाखों का सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

नैनीताल। जूते के शोरूम में देर रात आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने की इस घटना में लाखों के नुकसान ही आशंका जताई जा रही है।

आग लगने की यह घटना शहर के व्यस्ततम बाजार मीरा मार्ग स्थित "माशा शूज" शोरूम में देर रात अचानक हुई। जिससे दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात करीब 10 बजे दुकान बंद होने के बाद आसपास के लोगों ने शटर के भीतर से घना धुआं निकलता देखा। देखते ही देखते बाजार में हड़कंप मच गया और घटना की सूचना तत्काल फायर सर्विस को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर कर्मियों की तत्परता के चलते आग को आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

बताया जा रहा है कि यह दुकान सुमेर सिद्दीकी पुत्र मतीन सिद्दीकी की है। आग की चपेट में आने से दुकान का अधिकांश सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है, जबकि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर रात एसडीएम मोनिका भी मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

कार खाई में गिरी, दो की मौत

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। रानीखेत तहसील के ग्राम पंचायत दुभणा के राजस्व ग्राम क्षेत्र में तितालीखेत रेंज के समीप बीती शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां एक कार अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक कार तितालीखेत रेंज के समीप मोटर मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व पुलिस, स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ तथा फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। वाहन में दो लोग सवार थे। हादसे में एक मृतक की पहचान जीवन चंद्र जोशी पुत्र पूरन चंद्र जोशी, निवासी हल्द्वानी के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

बचाव दल ने दोनों शवों को खाई से निकालकर 108 एंबुलेंस की सहायता से पोस्टमार्टम के लिए राजकीय चिकित्सालय रानीखेत भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

लिफ्ट मांगने के बहाने बाईक लूटने वाले तीन लोग गिरफ्तार

संवाददाता

संवाददाता

देहरादून। लिफ्ट मांगने के बहाने बाईक लूटने वाले तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकार के अनुसार लक्खीबाग निवासी अंकित कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत रात्रि 10 बजे के लगभग मे अपनी बाइक से प्रिंस चौक से घर की तरफ आ रहा था तभी 03 अज्ञात लडकों ने उससे लिफ्ट मांगी और एक लड़का उसके साथ बेठ गया, व 02 अन्य लोग अपनी बाइक पर उसके पीछे-पीछे आने लगे। जैसे ही वह तिब्बती माकेट के पास पहुँचा तो उसके पीछे बैठे लडका उतरा और उसकी बाईक की चाभी छीन ली और बाइक से उतरते ही मारपीट व गली गलोज करने लगा तभी 02 लोग अन्य अपनी बाइक से उतरे व मारपीट व छीनाछपटी से उसकी बाईक वहां से ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चैकिंग के दौरान तिब्बती मार्केट के पास से लूटी गयी बाईक के साथ तीन लोगों के गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम कुलदीप पुत्र शम्भू प्रसाद निवासी आर्दश कालोनी, नमन पुत्र राजेन्द्र सिंह, दीपक चिलानीया पुत्र रोबिन चिलानिया निवासी अपर नत्थनपुर बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मुख्यमंत्री से की सपना राणा ने मुलाकात

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में सुश्री सपना राणा ने मुलाकात की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में सुश्री सपना राणा ने मुलाकात की। सुश्री सपना राणा द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर भाषा परीक्षा उर्तीण की गई, जिसके उपरान्त उनको जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में 3060 यूरो (3,30,000) प्रतिमाह के वेतन पर नियुक्ति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत गठित विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा अन्तराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों से राज्य के युवाओं को जोड़े जाने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा राज्य के युवाओं को जापान एवं जर्मनी में सेवायोजित किये जाने हेतु भाषा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक करीब 65 युवाओं को जापान में सेवायोजित किया जा चुका है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में युवाओं हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध है। जिसके दृष्टिगत प्रकोष्ठ द्वारा जर्मन भाषा का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। इसी प्रशिक्षण को प्राप्त करने के उपरान्त टिहरी गढवाल की नर्सिंग प्रशिक्षित युवा महिला सुश्री सपना राणा का जर्मनी में नर्स के रूप में चयन हुआ है। सुश्री सपना द्वारा अपनी स्कूली शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय पोखाल टिहरी गढवाल से तथा नर्सिंग की शिक्षा स्टेट नर्सिंग कॉलेज देहरादून से प्राप्त की गई। सुश्री सपना द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में नियुक्ति प्राप्त हुई है। इस अवसर पर सचिव सी. रविशंकर भी मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।